कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. तेलुगु दलित कविता 'गौरैया' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 10

2. पंजाबी दलित कविता 'आज का एकलव्य' की मूल–संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

3. गुजराती दलित कविता में दलपत चौहान के योगदान को रेखांकित कीजिए। 10

4. हिंदी दलित साहित्य के विकास को रेखांकित कीजिए। 10

5. मराठी दलित साहित्य के संदर्भ में बाबूराव बागूल की सामाजिक प्रतिबद्धता को स्पष्ट कीजिए। 10

6. 'रोटले को नजर लग गई' कहानी की समीक्षा कीजिए। 10

7. ओडिया में दलित साहित्य आंदोलन की रूपरेखा को स्पष्ट कीजिए। 10

8. लोक संस्कृति के संदर्भ में 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। 10

9. 'मशालची' उपन्यास में वर्णित दलित जीवन के यथार्थ को स्पष्ट कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास के स्त्री पात्र

(ख) यातना के पिंजरे से मुक्ति का अहसास : अक्करमाशी

(ग) 'मोची की गंगा' कहानी की भाषा

(घ) जजमानी प्रथा और 'पड़' कविता

× × × × ×